



देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 05

अंक – 72

जौनपुर, बुधवार, 28 अक्टूबर 2026

सान्ध्य दैनिक (संस्करण)

पेज – 4

मूल्य – 2 रुपये

संक्षिप्त खबरें

पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी में लगभग स्थिर, लैंडफॉल की प्रक्रिया लंबी र्विंची

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के वैज्ञानिक डॉ. संजीव द्विवेदी ने बताया कि आज बुधवार सुबह 4रू30 बजे तक अत्यंत भीषण चक्रवाती तूफान 'अर्नब' आंध्र प्रदेश तट के पास, पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी में लगभग स्थिर बना हुआ था। इसके कारण तट से टकराने (लैंडफॉल) की प्रक्रिया लंबी खिंच गई। डॉ. द्विवेदी ने बताया कि यह चक्रवात 16.4 उत्तरी अक्षांश और 82.0 पूर्वी देशांतर के पास स्थित था। यह नरसपुर से लगभग 30 किमी पूर्व, यनम से 45 किमी दक्षिण-दक्षिण पश्चिम और काकीनाडा से 70 किमी दक्षिण-दक्षिण पश्चिम में मौजूद था। इस चक्रवात में हवा की गति लगातार 120-130 किमी प्रति घंटा बनी हुई थी, जो झोंकों के साथ 145 किमी प्रति घंटा तक पहुंच रही थी। इसके पहले उत्तर-पश्चिम की ओर धीरे-धीरे आगे बढ़ने और फिर उत्तर-उत्तर-पश्चिम की ओर मुड़ने की संभावना थी। हालांकि चक्रवात के लगभग स्थिर बने रहने से इसके तट से टकराने की प्रक्रिया लंबी हो गई। 28 अक्टूबर का दिन दक्षिणी ओडिशा के लिए काफी अहम रहने की उम्मीद थी। चक्रवात का असर राज्य तक पहुंचने के कारण मलकानगिरी और कोरापुट जैसे जिलों में मौसम के खराब होने की आशंका थी। आईएमडी ने गंजाम, गजपति, रायगढ़ा, कोरापुट, मलकानगिरी और नबरंगपुर के लिए 'रेड वार्निंग' जारी की थी।

जनता को राहत दिलाने में सरकार विफल रही –

तरुण चुघ

राजकोट, (एजेंसी)। भाजपा सांसद तरुण चुघ ने मंगलवार को पंजाब सरकार पर जोरदार निशाना साधा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है और सीएम भगवंत मान जनता को राहत दिलाने में विफल रहे हैं। समाचार पढ़ें राजकोट में मीडिया से बातचीत के दौरान सांसद तरुण चुघ ने कहा, पंजाब में कानून व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो चुकी है। आम आदमी पार्टी अराजकता फैलाने वालों और अपराधियों के लिए एक सुरक्षित ठिकाना बन गई है। कुछ लोग इसे श्पापदा पार्टी कहते हैं, तो कुछ इसे श्अराजक अपराधी पार्टी कह रहे हैं। अगर हम भगवंत मान सरकार के कार्यकाल को देखें, तो यहां हर दिन लगभग दो से तीन हत्याएं हो रही हैं। 23 पुलिस थानों पर ग्रेनेड से हमले हुए हैं। पुलिस अधिकारियों की वर्दी में ही हत्या की जा रही है और इसके वीडियो सोशल मीडिया पर डाले जा रहे हैं। पंजाब इस समय बेहद दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति से गुजर रहा है। भाजपा सांसद ने दावा किया कि पंजाब के अंदर पुलिस मुख्यालय पर हमला होता है। पुलिस की ओर से बयान जारी होता है कि खाकी डालकर घर न जाएं। उन्होंने सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि जिनके हाथों जनता की सुरक्षा की जिम्मेदारी थी।

इन्वेस्टमेंट, इनोवेशन और इंडस्ट्री का प्रमुख केंद्र बन रहा उत्तर प्रदेश - सीएम योगी आदित्यनाथ

लखनऊ, (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश इन्वेस्टमेंट, इनोवेशन एवं इंडस्ट्री का प्रमुख केंद्र बन रहा है। उन्होंने सोशल मीडिया अकाउंट श्एक्स पर प्रदेशवासियों को 2017 के पश्चात उत्तर प्रदेश में आए बदलाव से भी अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने पिछली सरकार पर निशाना साधा, कहा कि वर्ष 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में वैश्विक निवेश आकर्षित करने की न स्पष्ट दृष्टि थी, न कोई ठोस कार्ययोजना, किन्तु डबल इंजन सरकार ने इस स्थिति को बदला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी



के यशस्वी नेतृत्व ने रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म के मंत्र से प्रदेश में निवेश एवं औद्योगिक विकास की नई कार्य-संस्कृति विकसित की। सिंगापुर प्रतिनिधिमंडल के साथ आज होगी बैठक मुख्यमंत्री ने कहा

कि बेहतर कानून-व्यवस्था, पारदर्शी नीतियों और निवेश अनुकूल वातावरण से आज उत्तर प्रदेश इन्वेस्टमेंट, इनोवेशन एवं इंडस्ट्री का प्रमुख केंद्र बन रहा है। इसी बढ़ते वैश्विक विश्वास को नई

जनता और राष्ट्र की सेवा करना ही सुशासन का मूल आधार – पीएम मोदी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को सोशल मीडिया पर एक संस्कृत सुभाषित साझा किया। इसमें उन्होंने स्पष्ट संदेश दिया कि जनता और राष्ट्र की सेवा करना ही सुशासन का मूल आधार है। उन्होंने कामंदकीय नीतिसार का एक श्लोक पोस्ट किया। इस श्लोक का सरल हिंदी अर्थ है कि जो राजा अपनी प्रजा (जनता) का उचित पालन-पोषण और रक्षा करता है, वही सच्चा सुख प्राप्त करता है। प्रजा की अनदेखी या शोषण करने वाला शासक कभी सुखी नहीं रह सकता। जिस शासक से प्रजा प्रेम करती हो और जिसके राज्य में प्रकृति (पर्यावरण) संतुलित व हितकारी हो, वही राजा सभी कामनाओं को पूरा करने में समर्थ होता है। ऐसा राजा 'सर्वकामधुक्' कहलाता है।कृत्यानी कामधेनु की तरह प्रजा की हर आकांक्षा पूरी करने वाला। यह प्रसिद्ध श्लोक आचार्य कामंदक द्वारा रचित प्राचीन संस्कृत ग्रंथ 'कामंदकीय नीतिसार' (या कामंदक नीतिसार) से लिया गया है। इस ग्रंथ में राज्य व्यवस्था, राजा के कर्तव्य (राजधर्म) और सुशासन के सिद्धांतों का विस्तार से वर्णन मिलता है। आचार्य कामंदक के अनुसार, जब शासक प्रजा के हित में काम करता है तो प्रजा का आशीर्वाद, सहयोग और राष्ट्र की समृद्धि स्वतः ही उसकी मनोकामनाएं पूरी कर देते हैं। शांति, खुशहाली और समृद्धि का रास्ता जनसेवा और राष्ट्रसेवा से ही निकलता है। पीएम मोदी के इस पोस्ट ने एक बार फिर प्राचीन भारतीय ज्ञान को आधुनिक शासन व्यवस्था से जोड़ने की कोशिश को रेखांकित किया है।



गया है। इस ग्रंथ में राज्य व्यवस्था, राजा के कर्तव्य (राजधर्म) और सुशासन के सिद्धांतों का विस्तार से वर्णन मिलता है। आचार्य कामंदक के अनुसार, जब शासक प्रजा के हित में काम करता है तो प्रजा का आशीर्वाद, सहयोग और राष्ट्र की समृद्धि स्वतः ही उसकी मनोकामनाएं पूरी कर देते हैं। शांति, खुशहाली और समृद्धि का रास्ता जनसेवा और राष्ट्रसेवा से ही निकलता है। पीएम मोदी के इस पोस्ट ने एक बार फिर प्राचीन भारतीय ज्ञान को आधुनिक शासन व्यवस्था से जोड़ने की कोशिश को रेखांकित किया है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिले गायक हरिहरन, ‘वंदे मातरम’ का स्पेशल विनाइल किया भेंट

नई दिल्ली, (एजेंसी)। गायक हरिहरन राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से एक सौजन्य भेंट (मुलाकात) करने पहुंचे थे। उन्होंने इस मुलाकात को अपने परिवार की चार पीढ़ियों के लिए एक बड़ा सम्मान बताया। गायक ने मुलाकात की कुछ तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की, जिसमें उन्होंने बताया कि उनके परिवार को राष्ट्रपति को 'द एंथम टु वंदे मातरम' का एक स्पेशल विनाइल एडिशन और एक खास टर्नटेबल भेंट करने का मौका मिला। गायक हरिहरन ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की जमकर प्रशंसा की और कहा कि राष्ट्रपति की गर्मजोशी और शालीनता देखना बेहद खास रहा। उन्होंने अपनी मां अलमेलु मणि के साथ हुई बातचीत को बेहद स्नेहपूर्ण



बताया और कहा कि यह याद उनके परिवार के लिए जीवनरक्ष की यादगार रहेगी। गायक हरिहरन ने लिखा, "हमारे दिलों में हमेशा के लिए बसा एक दिन।" उन्होंने आगे लिखा, "राष्ट्रपति भवन में भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

जी से मिलना मेरे और मेरे पूरे परिवार के लिए, चार पीढ़ियों के लिए, बहुत बड़ा सम्मान और सौभाग्य की बात थी। हमें उन्हें 'द एंथम-वंदे मातरम' का स्पेशल विनाइल एडिशन और एक खास टर्नटेबल भेंट करने का सौभाग्य

भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस, ओडिशा के मुख्यमंत्री ने सरकारी अधिकारियों को चेतावनी दी

भुवनेश्वर, (एजेंसी)। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने मंगलवार को भ्रष्ट अधिकारियों और कर्मचारियों को चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि अब शासन आइवरी टावर (यानी आम लोगों से दूर, ऊंचे महलों) से नहीं चलाया जा रहा है, बल्कि सरकार खुद लोगों के पास पहुंच रही है और जमीनी स्तर पर उनकी समस्याओं को सुन रही है। लोक सेवा भवन के कन्वेंशन सेंटर में सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2026 के राज्यस्तरीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मोहन चरण माझी ने कहा, प्हमारी सरकार का जन शिकायत निवारण कार्यक्रम जमीनी स्तर पर भ्रष्टाचार को रोकने की एक महत्वपूर्ण पहल है। इस कार्यक्रम के माध्यम से लोग सामने आने वाले भ्रष्टाचार की जानकारी मंत्रियों और मुख्यमंत्री तक पहुंचाते हैं और उसके अनुसार कार्रवाई की जाती है। प्हस अवसर पर, मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में मौजूद अधिकारियों और अन्य प्रतिभागियों को ईमानदारी की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा, प्स्तर्कता विभाग सुशासन की आंख और कान है। सुशासन केवल नीतियां और योजनाएं बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका असली अर्थ भ्रष्टाचार को पूरी तरह से रोकना और यह सुनिश्चित करना है कि सरकारी दान सही लाभार्थियों तक पूरी तरह से पहुंचे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार शोडिशा विजिलेंस को और अधिक कुशल और मजबूत बनाने के लिए व्यापक कदम उठा रही है। मुख्यमंत्री ने बताया, प्हमारी सरकार ने भ्रष्टाचार से निपटने के लिए तीन रणनीतियां अपनाई हैं। इनमें भ्रष्टाचार के प्रति जीरो-टॉलरेंस की नीतिय अधिकारी के पद या कार्यकाल की परवाह किए बिना खुफिया जानकारी के आधार पर कानूनी कार्रवाई करना और भ्रष्टाचार के आरोप में पकड़े गए अधिकारियों को सजा दिलाया शामिल हैं। उन्होंने इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि सतर्कता विभाग इन रणनीतियों को निडरता और पेशेवर तरीके से लागू कर रहा है।

नई दिल्ली, (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को कहा कि वैश्विक स्तर पर भारत की साख और रक्षा तैयारियों में वृद्धि हुई है। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत कभी किसी को उकसाता नहीं है, लेकिन अगर उसे उकसाया जाए, तो वह उसका कड़ा जवाब देता है। फिलीपींस के सेबू में 13वीं आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक-प्लस के दौरान भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए, सिंह ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की बढ़ती साख, आर्थिक प्रगति, रक्षा क्षमताओं और भ्रष्टाचार को रोकने के प्रयासों पर प्रकाश डाला। दुनिया भर में भारत की प्रतिष्ठा बढ़ी है। अगर ऐसा नहीं होता, तो 35 देशों के नेतृत्व ने हमारे प्रधानमंत्री को अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मानों से सम्मानित नहीं किया होता। आज, जब भारत बोलता है,

मिला।" अपनी बात को खत्म करते हुए गायक हरिहरन ने लिखा, "उनकी गर्मजोशी, शालीनता और सम्मान को देखना, खासकर उन खूबसूरत पलों में जब उन्होंने मेरी मां अलमेलु मणि के साथ स्नेह और आदर साझा किया, एक ऐसी याद है जिसे हम जीवनभर संजोकर रखेंगे। संगीत राष्ट्र के लिए हमारी एक छोटी सी भेंट है और अपने प्रियजनों की मौजूदगी में राष्ट्रपति का आशीर्वाद मिलना इस सफर को सच में पूरा करता है।" हरिहरन भारत के सबसे मशहूर प्लेबैक सिंगर्स में से एक हैं, जो हिंदी, तमिल, मलयालम, तेलुगु और दूसरी भाषाओं में गाने और वसीटिलिटी के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने 1980 के दशक में अपना करियर शुरू किया था।

दीपोत्सव, 14 कोसी- पंचकोसी परिक्रमा के दौरान राम नगरी रहेगी अभेद सुरक्षा घेरे मे चप्पे – चप्पे पर तैनात रहेंगे भारी संख्या मे सुरक्षा कर्मी – प्रवीण कुमार

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर) अयोध्या |रामनगरी अयोध्या में राम जन्मभूमि परिसर की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर स्थाई सुरक्षा समिति की अहम बैठक संपन्न हुई।बैठक में प्रतिभाग करने एडीजी लखनऊ जोन प्रवीण कुमार विशेष रूप से अयोध्या पहुंचे।इस मौके पर सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।बैठक में राम मंदिर परिसर की वर्तमान सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा के साथ आगामी धार्मिक आयोजनों को लेकर रणनीति पर विस्तार से चर्चा हुई।बैठक के बाद एडीजी प्रवीण कुमार ने राम जन्मभूमि परिसर का भ्रमण कर सुरक्षा इंतजामों का

तो दुनिया पूरे ध्यान से सुनती है,सिंह ने कहा। वैश्विक सहयोग की भारत की विचारधारा पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि भारत इकलौता ऐसा देश है जो पूरी दुनिया को



अपना परिवार मानता है। हम वसुधैव कुटुंबकम (पूरी दुनिया एक परिवार है) की बात करते हैं। हम इतने उदार हैं कि नाग पंचमी के मौके पर सांपों को भी दूध पिलाते हैं। भारत

की आर्थिक वृद्धि पर सिंह ने कहा कि देश अभी दुनिया में पांचवें स्थान पर है और उन्होंने भरोसा जताया कि यह स्थिति और बेहतर होगी। उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था के मामले में हम दुनिया में पांचवें स्थान पर हैं। अगर पश्चिम एशिया में संकट न होता, तो हम अब तक दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो चुके होते। हालांकि, ऐसा होना

तय है।रक्षा खतरों के प्रति भारत की प्रतिक्रिया का जिक्र करते हुए, रक्षा मंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर का उदाहरण दिया और देश की मजबूत होती रक्षा क्षमताओं पर जोर दिया। अपने ऑपरेशन सिंदूर का नाम तो सुना ही होगा। भारत अब कमजोर नहीं है। हम किसी को उकसाते नहीं हैं, लेकिन अगर कोई हमें उकसाता है, तो हम उसे छोड़ते नहीं हैं। यह संदेश अब बिल्कुल साफ है। हमारी रक्षा तैयारियां मजबूत हुई हैं। उन्होंने भारत और फिलीपींस के बीच रक्षा सहयोग का भी जिक्र किया और बताया कि मनीला ने भारत से ब्रह्मोस मिसाइल सिस्टम लिया है। उन्होंने कहा फिलीपींस ने भी हमसे ब्रह्मोस मिसाइल सिस्टम लिया है। शासन व्यवस्था और भ्रष्टाचार को रोकने के प्रयासों पर बात करते हुए।

भाजपा लोकतंत्र बचाओ अभियान, सीएम भूपेंद्र पटेल ने मार्च में लिया हिस्सा

अहमदाबाद, (एजेंसी)। लोकतंत्र बचाओ – अराजकता हटाओ अभियान के तहत गुजरात में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी, केंद्रीय मंत्री एवं भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा, गुजरात भाजपा प्रभारी तरुण चुघ, प्रदेश अध्यक्ष जगदीश विश्वकर्मा आदि नेताओं की अगुवाई में सरकार व संगठन ने अहमदाबाद व राजकोट में मार्च निकाला। अहमदाबाद में मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री व नड्डा ने मोर्चा संभाला वहीं राजकोट में प्रदेश प्रभारी तरुण चुघ व प्रदेश अध्यक्ष जगदीश विश्वकर्मा के साथ केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया, सांसद परशोत्तम रुपाला, सांसद पूरम माडम आदि मौजूद रहे। भाजपा के मार्च में बड़ी संख्या में सांसद, विधायक, वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता शामिल हुए। तरुण चुघ ने कहा कि जब भी लोकतंत्र पर खतरा मंडराया भाजपा कार्यकर्ता लोकतंत्र के



प्रहरी बनकर सड़क पर उतरे हैं। नेता विपक्ष राहुल गांधी एवं उनका गठबंधन लोकतंत्र को कमजोर करने का प्रयास कर रहे हैं, भारत का लोकतंत्र ना डुबेगा और ना ही झुकेगा। चुघ ने कहा कि कांग्रेस जब भी हारती है अपनी हार के बहाने तलाशने का प्रयास करती है। प्रदेश अध्यक्ष जगदीश विश्वकर्मा ने कहा कि चारों ओर से हताश कांग्रेस किसी ना किसी बहाने देश की शांति को बिगाड़ने का प्रयास करती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब देश को आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास कर रहे हैं तब कांग्रेस देश को कमजोर करने की कोशिश में है।



जायजा लिया।उन्होंने 7 नवंबर को आयोजित होने वाले दसवें दीपोत्सव की तैयारियों का भी निरीक्षण किया।कहा कि कार्तिक मास अयोध्या के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है,इस दौरान 14 कोसी व पंचकोसी परिक्रमा, दीपोत्सव और कार्तिक

पूर्णिमा स्नान जैसे बड़े धार्मिक आयोजन होते हैं,जिनमें लाखों श्रद्धालु अयोध्या पहुंचते हैं।वहीं दीपोत्सव पर श्रीराम मंदिर में जगमगाएंगे 3 लाख दीये, धूमधाम से मनेगी दीपावली तकनीक और जनसहयोग पर जोर

दिया है।एडीजी प्रवीण कुमार ने कहा कि राम जन्मभूमि की सुरक्षा को लेकर यह बैठक नियमित प्रक्रिया है।सुरक्षा को और अधिक मजबूत, सुदृढ़ और व्यवस्थित बनाने के लिए समय-समय पर आवश्यक बदलाव किए जाते हैं।कहा कि सुरक्षा में आधुनिक तकनीक का अधिकतम उपयोग किया जाएगा।साथ ही स्थानीय लोगों का विश्वास और सहयोग हासिल करना भी प्राथमिकता होगी, वहीं उन्होंने भरोसा दिलाया कि कार्तिक मास के सभी धार्मिक कार्यक्रमों को शांतिपूर्ण और सकुशल संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह तैयार है।इस दौरान चप्पे-चप्पे पर पर्याप्त संख्या मे सुरक्षा कर्मी तैनात रहेंगे।

देश की उपासना

संपादकीय

सिर्फ आर्थिक मोर्चे

संभवत नरेंद्र मोदी सरकार के नीतिकार इस नतीजे पर पहुंचे हैं कि तमाम रियायतें देने के बावजूद ट्रंप प्रशासन से न्यूनतम उम्मीदें पूरी करा पाना भी संभव नहीं है। और बात सिर्फ आर्थिक मोर्चे की नहीं है। वित्त मंत्री ने स्वीकार किया है कि भारत और अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौते की बातचीत श्पटास्य पर पहुंच गई है। निर्मला सीतारमण ने कहा कि दोनों पक्ष अब ऐसे बिंदु पर हैं, जहां उनके लिए और रियायतें देना मुश्किल हो रहा है। म्यूनिख सिक्युरिटी कांफ्रेंस जैसे अंतरराष्ट्रीय मंच पर उन्होंने कहा कि अमेरिका ने टैरिफ को ष्ठधियार्ष बना लिया है। इससे पहले अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि ा जेमिसन ग्रियर ने कहा था कि भारत अमेरिका व्यापार समझौते का संपन्न होना तय नहीं है। उन्होंने बताया कि कुछ महत्वपूर्ण मुद्दों पर सहमति अभी नहीं बनी है। इन बयानों का अर्थ है कि डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन की एकतरफा रियायतों की मांग पर लगातार राजी होने के बाद आखिर ऐसी सीमा आई है, जिसके आगे झुकना भारत सरकार को मुनासिब महसूस नहीं हो रहा है। संभवतरु नरेंद्र मोदी सरकार के नीतिकार इस नतीजे पर पहुंचे हैं कि तमाम रियायतें देने के बावजूद ट्रंप प्रशासन से न्यूनतम उम्मीदें पूरी करा पाना भी संभव नहीं है। और बात सिर्फ आर्थिक मोर्चे की नहीं है। बीते हफ्ते विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा था अगर अमेरिका (पाकिस्तान प्रायोजित) आतंकवाद और भारत के सुरक्षा हितों के प्रति उदासीनता दिखाता है या पाकिस्तान से सैन्य जुड़ाव बढ़ाता है, तो इसका असर भारत–अमेरिका संबंधों पर पड़ेगा। उसके बाद खबर आई कि ट्रंप परिवार से जुड़ी अमेरिका की एक डिफेंस स्टार्ट–अप कंपनी ने पाकिस्तानी सेना को ड्रोन और काउंटर– ड्रोन तकनीक की आपूर्ति के लिए समझौता किया है। इसी कंपनी ने मुंबई स्थित एक फर्म के साथ काउंटर– ड्रोन इंटरसेप्टर उत्पादन का अनुबंध कर रखा है। यानी भारत में निर्मित अस्त्र पाकिस्तान के पास पहुंच सकते हैं। इसी पृष्ठभूमि में भारतीय रक्षा रणनीतिकारों ने सवाल उठाया है कि क्या अमेरिका पाकिस्तान को फिर सैन्य समर्थन देने की शुरुआत कर रहा है? दरअसल, अनेक भू–राजनीतिक एवं रणनीतिक मामलों में पाकिस्तान को ट्रंप का साथ मिलता रहा है। इससे भारत में नाराजगी बढ़ी है। फिर भी मोदी सरकार ट्रंप की मिजाज–पुर्सी में लगी रही। लेकिन नतीजा शून्य रहा है। बहरहाल, अब भी अगर सरकार रीड दिखाती है, तो देश में उसका स्वागत किया जाएगा।

गन्ना मूल्य में छत्तीसगढ़ देश में नंबर वन

धनंजय राठौर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि अन्नदाता की खुशहाली ही छत्तीसगढ़ का आधार है। किसानों को उनकी मेहनत का बेहतर प्रतिफल मिले, खेती लाभकारी बने और किसान परिवार आर्थिक रूप से सशक्त हों, इसके लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री साय ने किसानों के हितों को ध्यान में रखकर शक्कर कारखानों के लिए गन्ने की खरीदी 425 रुपए प्रति विंटल की दर से करने का निर्णय लिया है। पेराई सत्र 2025— 26 में की गई खरीदी का भुगतान भी बढ़े हुए दर पर किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र और राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने, कृषि लागत को कम करने और खेती को अधिक लाभकारी बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। छत्तीसगढ़ सरकार भी किसानों के हितों को अपनी नीतियों और निर्णयों के केंद्र में रखकर आगे बढ़ रही है। किसानों की आवश्यकताओं और समस्याओं के प्रति सरकार संवेदनशील है। किसान हित से जुड़े विषयों पर प्राथमिकता से निर्णय लिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था और ग्रामीण समृद्धि में किसानों की महत्वपूर्ण भूमिका है। खेती–किसानी मजबूत होगी तो गांव मजबूत होंगे। गांवों की समृद्धि से ही छत्तीसगढ़ की समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होगा। गन्ना मूल्य में छत्तीसगढ़ देश में नंबर वन छत्तीसगढ़ सरकार ने गन्ना किसानों की आय बढ़ाने और गन्ने की खेती को लाभकारी बनाने के लिए गन्ने के खरीदी मूल्य में ऊपर बढ़ोतरी की है। छत्तीसगढ़ सरकार ने गन्ने का खरीदी मूल्य 355 रुपए प्रति विंटल से बढ़ाकर 425 रुपए प्रति विंटल कर दिया है। इस बढ़े हुए मूल्य का लाभ पेराई सत्र 2025–26 के गन्ने पर भी मिलेगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि राज्य की चार सहकारी चीनी मिलों से जुड़े 31 हजार से अधिक किसानों को लगभग 51.09 करोड़ का बोनास वितरित किया जाएगा। राज्य सरकार ने गन्ना खरीदी दर बढ़ाकर 425 रुपये प्रति विंटल कर दी देश के कुल गन्ना उत्पादन में छत्तीसगढ़ का योगदान भले ही कम है लेकिन गन्ना किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य दिलाने में राज्य अब नंबर वन हो गया है। राज्य सरकार ने गन्ना खरीदी दर बढ़ाकर 425 रुपये प्रति विंटल कर दी है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में लिए गए इस फैसले से छत्तीसगढ़ में गन्ने की खरीदी दर उत्तर प्रदेश, हरियाणा और पंजाब जैसे प्रमुख उत्पादक राज्यों की तुलना में अधिक हो गई है। खास बात यह है कि बढ़ी हुई दर पेराई सत्र 2025—26 से ही लागू होगी। इस सत्र में पहले ही गन्ना बेच चुके किसानों को भी बढ़ी हुई दर के अनुसार भुगतान किया जाएगा। किसानों को प्रति विंटल 70 रुपये अधिक मिलेगा सरकार के इस फैसले का उद्देश्य किसानों की आय बढ़ाने के साथ गन्ने की खेती को अधिक लाभकारी बनाना है।राज्य में पहले गन्ने की खरीदी 355 रुपये प्रति विंटल तक से होती थी। नई दर से किसानों को प्रति विंटल 70 रुपये अधिाक मिलेंगे। गन्ना मूल्य में यह बढ़ोतरी ऐसे समय में की गई है, जब खेती की लागत और किसानों की आमदनी के बीच संतुलन बनाना कृषि नीति की प्रमुख चुनौती है। देश के प्रमुख गन्ना उत्पादक राज्य उत्तर प्रदेश में अगौती प्रजाति के गन्ने का राज्य परामर्श मूल्य (एसएपी) 400 रुपये प्रति विंटल, हरियाणा में 415 रुपये और पंजाब में 416 रुपये प्रति विंटल है। जबकि महाराष्ट्र और कर्नाटक में गन्ने का भुगतान केंद्र सरकार के उचित एवं लाभकारी मूल्य (एफआरपी), चीनी की रिकवरी और संबंधित मिलों की व्यवस्था के आधार पर निर्धारित होता है। केंद्र सरकार ने 2026–27 के लिए 10.25 प्रतिशत चीनी रिकवरी पर एफआरपी 365 रुपये प्रति विंटल तय किया है। किसानों की आय बढ़ाने पर जोर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि सरकार का उद्देश्य किसानों को उनकी उपज का उचित और बेहतर मूल्य दिलाना तथा खेती को सम्मानजनक और लाभकारी आजीविका बनाना है। गन्ना खरीदी दर में वृद्धि इसी दिशा में उठाया गया कदम है। प्रति विंटल 70 रुपये की बढ़ोतरी से किसानों को उनकी कुल बिक्री के अनुपात में अतिरिक्त आमदनी मिलेगी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि किसानों को उनकी मेहनत का बेहतर प्रतिफल मिले, खेती लाभकारी बने और हमारे अन्नदाता निरंतर समृद्ध हों—इसी संकल्प के साथ हमारी सरकार आगे बढ़ रही है। नई दर का लाभ कीमतों में बढ़ोतरी से पहले बेचे गए गन्ने पर भी लागू होगी। इससे चालू पेराई सत्र में अपनी उपज की आपूर्ति कर चुके किसानों को भी राहत मिलेगी। यह व्यवस्था मूल्य वृद्धि के लाभ को व्यापक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण है।गन्ने की खरीदी दर में वृद्धि का असर केवल किसानों की आमदनी तक सीमित नहीं है। बेहतर मूल्य मिलने से आने वाले समय में किसान गन्ने की खेती के रकबे, उत्पादन लागत और संभावित लाभ का नए सिरे से आकलन कर सकते हैं।

विचार

78 साल का इतिहास, इजराइल में कभी किसी पार्टी को नहीं मिला पूर्ण बहुमत

अभिनय

27 अक्टूबर 2026 यानी आज ही के दिन इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सबसे बड़ी परीक्षा है। 68 लाख इजरायली वोटर्स नई सरकार चुनने के लिए वोट डाल रहे हैं। गाजा और ईरान वॉर के बीच यह इजरायल का पहला चुनाव है। दोनों मोर्चों पर नेतन्याहू



कहीं ना कहीं असफल रहे हैं। पहले वो हमारा का हमला रोकने में नाकाम रहे। फिर ईरान की बारी आई। लेकिन वो ना तो तख्ता पलट करा आ पाए और ना ही न्यूक्लियर प्रोग्राम बंद हुआ। उल्टा ईरान ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर ताला लगा दिया है। इसके अलावा नेतन्याहू पर घूसखोरी और पद के दुरुपयोग से जुड़े मुकदमे चल रहे हैं। उनके कई अफसर जांच के दायरे में हैं। कई पुराने अफसरों ने उनके खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। नेतन्याहू की विरोधी

पार्टियों ने आपस में हाथ मिल लिया है। जबकि सहयोगी पार्टियां उनसे किनारा करने लगी हैं। इलेक्शन पोल्स में नेतन्याहू की हार तय बताई जा रही है। चर्चा है कि इस बार उनका करियर खत्म हो सकता है। लेकिन इन दावों में कुछ भी नया नहीं है। नेतन्याहू पिछले 30 वर्षों में से 20 बरस प्रधानमंत्री रहे हैं। पहली

बार 1996 से 1999 तक दूसरी बार 2009 से 2021 तक और उनका तीसरा कार्यकाल दिसंबर 2022 में लेकिन वो ना तो तख्ता पलट करा आ पाए और ना ही न्यूक्लियर प्रोग्राम बंद हुआ। उल्टा ईरान ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर ताला लगा दिया है। इसके अलावा नेतन्याहू पर घूसखोरी और पद के दुरुपयोग से जुड़े मुकदमे चल रहे हैं। उनके कई अफसर जांच के दायरे में हैं। कई पुराने अफसरों ने उनके खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। नेतन्याहू की विरोधी

इजरायल का चुनाव , सत्ता कगार पर

असद व्यापक खतरा किसी एक चुनावी रात के फैसले से ज्यादा एक शृंखला–प्रतिक्रिया हैरु नाजुक गठबंान, विवादित वैधता, ईरान संकट और गाजा में जारी तबाही। किसी भी गुट की जीत इजरायल के आंतरिक विभाजन नहीं सुलझाएगीय गतिरोध, गठबंधन वार्ता अटकने के दौरान, नेतन्याहू का मौजूदा कार्यकाल लंबा कर सकता है। चुनाव यह बदल सकता है कि शासन कौन करे। इजरायल में 27 अक्टूबर का मतदान तीन साल के युद्ध के बाद नेतृत्व पर जनमत–संग्रह है, लेकिन इसके नतीजे मतपत्र से कहीं आगे तक जाते हैंरू गाजा के भविष्य से लेकर ईरान, वाशिंगटन और क्षेत्रीय स्थिरता तक।बेंजामिन नेतन्याहू की राजनीतिक ताकत एक सशक्त तर्क पर टिकी है रू इजरायल अस्तित्व के खतरों का सामना कर रहा है और केवल उनके पास इनसे निपटने का अनुभव और संकल्प है। वे गाजा, लेबनान और ईरान से जुड़े युद्धों को इस बात का सबूत बताते हैं कि उनकी सरकार ने, इजरायल के विरोधियों को कमजोर किया है। जिन मतदाताओं की सबसे बड़ी चिंता सुरक्षा है, उनके लिए यह रिकॉर्ड 7 अक्टूबर 2023 की सुरक्षा विफलता पर गुस्से से भारी पड़ सकता है। नेतन्याहू की मजबूती और



और सवाल पूछने का मौका मिले, तो वे पढ़ाई से बेहतर ढंग से जुड़ सकते हैं। शिक्षक का काम केवल पाठ पढ़ाना नहीं, बल्कि यह समझना भी है कि बच्चे उसे कितना समझ पा रहे हैं। पांच साल के बच्चे के हाथ में जब पहली किताब आती है, तो उसके साथ परिवार की उम्मीदें भी स्कूल पहुंचती हैं। माता–पिता चाहते हैं कि उनका बच्चा पढ़े, आगे बढ़े और जीवन में बेहतर अवसर पाए, लेकिन क्या स्कूल में उसे ठीक से सीखने का

चुनाव में उनकी पोजीशन कमजोर क्यों है? और क्या यह चुनाव उनका करियर खत्म कर सकता है? तमाम सवालों का एमआरआई स्कैन करते हैं। एक लोकतंत्र होने के नाते, जहाँ चुनाव शानुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणालीश से होते हैं, इजराइल में कई पार्टियाँ और सूचियाँ (सपेजे) मौजूद हैं। पार्टियों और सूचियों के बीच अंतर यह है कि एक पार्टी एक ऐसा संगठन है जो चुनाव के तय नियमों के दायरे में रहकर सत्ता हासिल करना चाहती है, जबकि एक शसूचीश का मतलब वही है जो इसके नाम से पता चलता है। यह किसी पार्टी या पार्टियों के समूह द्वारा चुनाव के लिए तैयार की गई उम्मीदवारों की एक सूची होती है। कोई भी पंजीकृत पार्टी या सूची चुनाव लड़ सकती है। श्वेसिक लॉरू द नेसेटश की धारा 7। के तहत, सेंट्रल इलेक्शंस कमिटी या सुप्रीम कोर्ट किसी राजनीतिक पार्टी की सूची या किसी उम्मीदवार को अयोग्य घोषित कर सकते हैं, यदि उनके एजेंडे या कार्यों से यह झलकता हो कि वे इजराइल राज्य के एक यहूदी और लोकतांत्रिक देश के रूप में अस्तित्व को नकारते हैं, नस्लवाद को बढ़ावा देते हैं, या इजराइल के खिलाफ किसी शत्रु देश या आतंकवादी संगठन द्वारा किए जा रहे सशस्त्र संघर्ष का समर्थन करते हैं। कार रजिस्ट्रार यह तय कर लेता है कि किसी पार्टी का

आकर्षित करता है जो मानते हैं कि सैन्य दबाव ही वह एकमात्र भाषा है जिसे इजरायल के दुश्मन समझते हैं। विपक्ष क्यों एकजुट हुआ विपक्ष की ऊर्जा किसी एक नीतिगत घोषणापत्र से नहीं, बल्कि शिकायतों के संगम से आती है। प्रदर्शनकारियों ने 7 अक्टूबर की जांच की मांग की, युद्ध के संचालन की आलोचना की, और उन बातों का विरोध किया जिन्हें वे लोकतांत्रिक संस्थाओं के लिए खतरा मानते हैं, जिनमें न्यायिक शक्ति घटाती की कोशिशें शामिल हैं। अति–रूढ़िवादी पुरुषों को सैन्य भर्ती से छूट एक और विवाद हैरू कई इजरायली इस बात से नाराज हैं कि सैन्य और आर्थिक बोझ बराबर नहीं बंटता। आइजनकोट ने भर्ती पर अदालती फैसले लागू करने और जांच करने का वादा किया है, जिससे अस्तंोष को सैन्य साख वाला उम्मीदवार मिला है।आइजनकोट की निजी छवि मायने रखती है। पूर्व सेना प्रमुख के रूप में उन्होंने खुद को संयमित, अपेक्षाकृत सादे विकल्प के रूप में पेश किया है, जो सुरक्षा को समझता है पर नेतन्याहू की राजनीतिक शैली से जुड़ा नहीं है। गाजा युद्ध में उनके परिवार की क्षति उन मतदाताओं के लिए उनकी विवक्षनीयता और गहरी करती है जो खतरों से अनजान कहलाए बिना नई दिशा चाहते हैं। लेकिन श्वदलावश एक तय कार्यक्रम

सर्कारी स्कूलों में दाखिले के बाद की चुनौती

कहानियां सुनते हुए और सवाल पूछते हुए बहुत कुछ सीखते हैं। इस उम्र में उनके लिए पढ़ाई का मतलब केवल किताबों से अक्षर सीखना नहीं है। यदि शुरुआत से ही उन पर जल्दी–जल्दी लिखने, अक्षर याद करने और किताबें पूरी करने का दबाव डाला जाए, तो पढ़ाई में उनकी रुचि कम भी हो सकती है। इसलिए यह देखना जरूरी है कि बच्चे स्कूल तो पहुंच रहे हैं, लेकिन वहां सीख भी पा रहे हैं या नहीं। भारत में सरकारी स्कूलों की अहमियत इसी बात से समझी जा सकती है। गांवों, छोटे कस्बों और कम आमदनी वाले परिवारों के लिए सरकारी स्कूल ही शिक्षा का पहला ज्ञान केंद्र हैं। हर परिवार में निजी स्कूल की फीस और दूसरे खर्च नहीं उठा जा सकता। ऐसे में सरकारी स्कूलों की हालत का असर उन बच्चों पर सबसे ज्यादा पड़ता है, जिनके पास दूसरे विकल्प नहीं हैं।एक तरफ कुछ परिवार अपने बच्चों को अच्छी संख्या में बच्चे कम उम्र में ही पहली कक्षा तक पहुंच रहे हैं। इसका यह मतलब नहीं कि इन सभी बच्चों ने पहले आंगनवाड़ी या किसी दूसरे केंद्र में पढ़ाई नहीं की। सवाल यह है कि पहली कक्षा में पहुंचने के बाद उन्हें किस तरह पढ़ाया जा रहा है।पांच साल की उम्र में बच्चे खेलते हुए,

प्लेटफॉर्म और व्यवहार लोकतंत्र के अनुरूप है और वह अपने खालों का उचित रिकॉर्ड रखती है, तो उस पार्टी को चुनाव लड़ने की मंजूरी दे दी जाती है। कार्यकारी शक्तियां प्र्धानमंत्री के पास होती हैं। सरकार सीधे तौर पर नेसेट के विश्वास पर टिकी होती है और शासन चलाने के लिए उसे बहुमत (कम से कम 61 सीटें) बनाए रखना जरूरी होता है। न्यायपालिका, जिसका नेतृत्व सुप्रीम कोर्ट करता है, स्वतंत्र रूप से काम करती है। यह बुनियादी कानूनों की व्याख्या करती है और कानूनों की समीक्षा करती है। इजरायल में राष्ट्रीय पार्टी या पार्टियों के समूह द्वारा चुनावों का संचालन और देखरेख (केंद्रीय चुनाव आयोग) द्वारा की जाती है। इजराइल की श्पार्टी–लिस्ट आनुपातिक प्रतिनिधित्वश प्रणाली में श्चुनावी श्रेणोल्डश वह न्यूनतम प्रतिशत है जो किसी राजनीतिक दल को संसद में प्रवेश करने के लिए कुल राष्ट्रीय वोटों में से हासिल करना होता है। वर्तमान में यह सीमा 3.25% तय की गई है कृ यह मानक 2014 में नेसेट (इजराइली संसद) के कानून द्वारा स्थापित किया गया था। इस सीमा को पार करने पर, किसी दल को नेसेट की कुल 120 सीटों में से कम से कम 4 सीटें मिल जाती हैं। यदि कोई दल 3.25% के इस आंकड़े तक नहीं पहुंच पाता है, तो उसे मिले सभी वोट रद्द कर दिए जाते हैं। इस तरह ये वोट श्वेकारश

हो जाते हैं और इन्हें उन दलों के बीच फिर से बांट दिया जाता है जो सफल रहे हैं। इस श्रेणोल्ड (सीमा) का मुख्य उद्देश्य संसद के अत्यधिक के बिखराव को रोकना और बहुत छोटे दलों को बाहर रखकर, प्रतिनिधित्व और राजनीतिक स्थिरता के बीच संतुलन बनाना है। इजरायली डेमोक्रेसी इंस्टीट्यूट के शोधकर्ता प्रो. ओफर केनिंग बताते हैं कि 1951 में यह सीमा केवल 1: थी, जिसे धीरे–धीरे बढ़ाकर 1.5% (1992), 2% (2003) और अंततः 3.25% (2014) कर दिया गया। यह ऊँची सीमा छोटे वैचारिक समूहों या विशिष्ट दलों को चुनाव के दिन से पहले आपस में मिलकर एक साझा चुनावी सूची (इलेक्टोरल स्लेट) बनाने के लिए प्रेरित करती है, ताकि वे मिलकर इस श्रेणोल्ड को पार कर सकें। वे आगे कहते हैं कि इस वजह से, 3.25% का यह नियम गठबंधन के समीकरण तय करने और यह नि्धारित करने में निर्णायक भूमिका निभाता है कि कौन–सा राजनीतिक गुट सरकार बना सकता है। इजराइल के राजनीतिक इतिहास में आज तक किसी भी पार्टी को अपने दम पर 61 सीटों का स्पष्ट बहुमत नहीं मिला है। यही वजह है कि वहां हमेशा गठबंधन सरकार ही बनती आई है। ऐसे में पुराने और नए सहयोगियों को साधक सरकार बनाने की प्रक्रिया में अक्सर काफी समय लगता है।

विपक्ष ने उत्तराधिकारी पर सहमति नहीं बनाई



निरंतर सैन्य नियंत्रण और बस्तियों के विस्तार के पक्षधर है। इससे वार्तािष्ठ रा्टर राजनीतिक समझाने की गुंजाइश तक सकती है और फिलिस्तीनियों में और विस्थापन तथा बेदखली का डर गहरा सकता है। विपक्ष की जीत पश्चिमी तट में बसने वालों की हिंसा कम है। नेतन्याहू ने फिलिस्तीनी राज्य को नकारा है और युद्ध को हमास को हराने के लिए जरूरी बताया है। उ्दर आइजनकोट ने कहा है कि हमास का शासन 18 महीनों में खत्म होना चाहिए, अमेरिकी नेतृत्व वाली योजना या सैन्य साधनों से। दोनों खेमे तरीके और राजनीतिक लहजे में अलग हैं, पर किसी ने फिलिस्तीनी संप्रभुता का स्पष्ट रास्ता नहीं दिखाया।नेतन्याहू की जीत शायद दक्षिणपंथी गठबंधन सहयोगियों का प्रभाव बढ़ाएगी, जो

हासिल करने से रोकने का संकल्प लिया है। उनकी बयानबाजी तेजी से उग्र हुईरू अगले दो दिनों में इशरायली हमले की संभावना को रिपोर्टों के आ्धार पर जिम्मेदारी से आंका नहीं जा सकता। समय स्पष्ट रूप से संवेदनशील हैरू हमला जवाबी कार्रवाई भड़का सकता है, मतदान बाधित कर सकता है या मौजूदा नेता के सुरक्षा कथानक को मजबूत कर सकता है, जबकि सोच्ा–समझा उद्घाटन तनाव का जोखिम घटा सकता है। जोखिम वास्तविक हैय निश्चितता नहीं। वाशिंगटन और क्षेत्रीय दांव अमेरिकी रुख असामान्य रूप से दृश्यमान है। राष्ट्रपति डेनाल्ड ट्रंप ने खुलकर नेतन्याहू को खुलकर बोलने, शिक्षक से बातचीत करने और एक–दूसरे से सीखने के सीमित अवसर मिले। अध्ययन में 73 प्रतिशत शिक्षकों को बच्चों की घरेलू भाषा की जानकारी थी, लेकिन लगभग 10 प्रतिशत शिक्षक ही उस भाषा का नियमित इस्तेमाल करते पाए गए। बच्चा जिस भाषा में घर पर बात करता है और अपने आसपास की दुनिया को समझता है, उसी भाषा के सहारे नई बातें सीखना उसके लिए आसान होता है। शुरुआती कक्षाओं में यदि बच्चों को अपनी बात कहने और सवाल पूछने का मौका मिले, तो वे पढ़ाई से बेहतर ढंग से जुड़ सकते हैं। शिक्षक का काम केवल पाठ पढ़ाना नहीं, बल्कि यह समझना भी है कि बच्चे उसे कितना समझ पा रहे हैं। इस पूरी चर्चा में आंगनवाड़ी की भूमिका असर तभी दिखता है, जब वह कक्षा में ठीक से लागू हो। इसके लिए शिक्षकों को प्रशिक्षण और जरूरी सामग्री मिलनी चाहिए। बच्चों को भी अपनी

स्वास्थ्य विभाग की विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित

जौनपुर। जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन के निर्देश के क्रम में मुख्य विकास अधिकारी नरेंद्र बहादुर सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में स्वास्थ्य विभाग की विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत ब्लॉकवार प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष कार्य करते हुए अधिक से अधिक पात्र लाभार्थियों के आयुष्मान कार्ड बनाए जाएं। जीरो पॉवर्टी योजना के अंतर्गत बनाए जा रहे आयुष्मान कार्ड की ब्लॉकवार समीक्षा करते हुए उन्होंने खराब प्रदर्शन करने वाले विकास खंडों से स्पष्टीकरण प्राप्त करने के निर्देश दिए। जननी सुरक्षा योजना के अंतर्गत लाभार्थियों को किए जा रहे भुगतान की समीक्षा करते हुए उन्होंने भुगतान में अनावश्यक विलंब न करने तथा पात्र



लाभार्थियों को समय से भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। संस्थागत प्रसव की समीक्षा के दौरान उन्होंने कम प्रगति वाले विकास खंडों को आगामी बैठक तक स्थिति में सुधार लाने के निर्देश दिए। मुख्य विकास अधिकारी ने जनपद में सीटी स्कैन की व्यवस्था, टीबी उन्मूलन कार्यक्रम, आशा कार्यकर्ताओं के भुगतान तथा टीकाकरण कार्यक्रम की प्रगति की समीक्षा की। इसके साथ ही जनपद में क्रियाशील हेल्थ एटीएम की स्थिति की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने शाहगंज एवं दामा सेंटर में खराब पड़े हेल्थ एटीएम को एक सप्ताह के भीतर क्रियाशील करने के निर्देश दिए।

बैठक में मातृ स्वास्थ्य कार्यक्रम, प्रसूताओं को निःशुल्क भोजन उपलब्ध ा कराने की व्यवस्था, परिवार नियोजन कार्यक्रम तथा जनपद में संचालित एम्बुलेंस सेवाओं की स्थिति की भी समीक्षा की गई। मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी स्वास्थ्य योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हुए पात्र लाभार्थियों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं। जिन योजनाओं में प्रगति अपेक्षाकृत कम है, उनमें विशेष प्रयास कर निर्धारित लक्ष्यों को समय से पूरा किया जाए। बैठक में जिला मलेरिया अधिकारी द्वारा संचारी रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों के संबंध में जानकारी दी गई। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने सभी अधिशासी अधिकारियों, जिला पंचायत राज अधिकारी एवं खंड विकास अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपने-अपने क्षेत्रों में झाड़ियों की कटाई, साफ-सफाई के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें, जिससे संचारी रोगों के प्रसार पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सके। उन्होंने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि विद्यालयों में बच्चों के माध्यम से संचारी रोगों से बचाव एवं रोकथाम के संबंध में जागरूकता अभियान चलाया जाए। बच्चों को स्वच्छता अपनाने, अपने आसपास साफ-सफाई रखने तथा मच्छरों से बचाव के उपायों के प्रति जागरूक किया जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य राजस्व अधिकारी श्री अजय अम्बष्ट, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी श्री समीर सहित स्वास्थ्य विभाग के संबंधित अधिकारी एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

जीवन में विवेक, सत्संग और आध्यात्मिक ज्ञान का विशेष महत्व – पं. रजनीकांत द्विवेदी

जौनपुर। नगर के विवाह मैरज लॉन में आयोजित सात दिवसीय श्रीमदभागवत कथा के पांचवें दिन कथाव्यास पं. रजनीकांत द्विवेदी ने हनुमान महिमा, श्रीकृष्ण जन्मोत्सव और पुतना वध के प्रसंगों का भावपूर्ण वर्णन किया। उन्होंने कहा कि सत्संग का प्रभाव इतना गहरा होता है कि मनुष्य का पूरा जीवन बदल सकता है। सत्संग के सामने संसार के सुख और वैभव का कोई विशेष महत्व नहीं है। मनुष्य के जीवन की वास्तविक सार्थकता परमात्मा के भजन, संकीर्तन और उनकी कथा के श्रवण में है। हनुमान जी की महिमा का वर्णन करते हुए कथाव्यास ने बताया कि प्रभु श्रीराम की कथा के प्रति उनकी भक्ति और समर्पण अद्वितीय था। उन्होंने प्रसंग सुनाया कि जब प्रभु श्रीराम ने हनुमान जी से अपने साथ चलने के लिए कहा, तो हनुमान जी ने पूछा कि क्या वहां भी प्रभु की कथा सुनने को मिलेगी। जब उन्हें बताया गया कि कथा का श्रवण धरती पर ही संभव होगा, तो उन्होंने साकेत धाम जाने के बजाय यहीं रहने का निर्णय लिया। पं. द्विवेदी ने कहा कि हनुमान जी भगवान श्रीराम की कथा में इतने लीन रहते थे कि उनके लिए कथा श्रवण ही सबसे बड़ा सुख था। उन्होंने सच्चे सेवक के रूप में प्रभु की सेवा की और अपने आचरण से समर्पण, निष्ठा तथा भक्ति का आदर्श प्रस्तुत किया। मनुष्य को हनुमान जी के जीवन से प्रेरणा लेकर अपने जीवन को सार्थक बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति परमात्मा के भजन और संकीर्तन से दूर रहता है, वह अपने जीवन के सबसे महत्वपूर्ण अवसर से वंचित रह जाता है। श्रीकृष्ण जन्मोत्सव का प्रसंग सुनाते हुए कथाव्यास ने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण के जन्म से नंद बाबा और माता यशोदा के घर आनंद छा गया। नंद बाबा ने 108 ब्राह्मणों को आमंत्रित कर अपने घर में पाठ कराया। भगवान के जन्म की खुशी में उन्होंने खुले मन से दान-पुण्य किया। जो भी उनके घर पहुंचा, उसे वस्त्र और आभूषण भेंट किए गए। उन्होंने सवा लाख गायों का गोदान कराया। कथाव्यास ने कहा कि नंद बाबा का आनंद और उत्साह देखते ही बनता था। भगवान श्रीकृष्ण का पालन-पोषण करने का सौभाग्य माता यशोदा को मिला, जो उनके पुण्य प्रताप का फल था। उन्होंने ब्रजमंडल की महिमा बताते हुए कहा कि ब्रज की 84 कोस की परिक्रमा का धार्मिक महत्व है। श्रद्धा और विश्वास के साथ ब्रज की परिक्रमा करने से पुण्य की प्राप्ति होती है। उन्होंने कथा के माध्यम से बताया कि कंस को जब यह सूचना मिली कि जिस बालक से उसे भय था, उसका जन्म हो चुका है, तो वह चिंतित हो उठा। कंस ने उस बालक को मारने के लिए अनेक प्रयास किए और इसी क्रम में पुतना को भेजा। पुतना के प्रसंग का वर्णन करते हुए पं. रजनीकांत द्विवेदी ने बताया कि पुतना ने कंस को आश्वासन दिया था कि वह उसकी मनोकामना पूरी कर देगी। इसके लिए उसने अपना स्वरूप बदलने की बात कही। कथा के अनुसार, पुतना ब्रज पहुंची और अनेक शिशुओं को मारने के बाद महल में प्रवेश किया। उसने अपने स्तनों पर विष का लेप किया और भगवान श्रीकृष्ण को अपने पास लेकर उन्हें विषपान कराने का प्रयास किया। इस प्रसंग की आध्यात्मिक व्याख्या करते हुए।

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में एआई एवं एमएल लर्निंग सीरीज का पांचवां व्याख्यान संपन्न

मॉडल मूल्यांकन, ओवरफिटिंग एवं मडल चयन की तकनीकों से रूबरू हुए विद्यार्थी, 108 ने किया प्रतिभाग

ब्यूरो प्रमुख विश्व प्रकाश श्रीवास्तव जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग द्वारा कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के निर्देश पर संचालित 'एआई एवं एमएल लर्निंग सीरीज' के पांचवें व्याख्यान का आयोजन किया गया। “मॉडल इवैल्यूएशन, ओवरफिटिंग एवं मॉडल सेलेक्शन” विषय पर आयोजित इस व्याख्यान में 108 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। मुख्य विशेषज्ञ डॉ. अन्नुश्री अग्रवाल ने विद्यार्थियों को मशीन लर्निंग मॉडल के मूल्यांकन, ओवरफिटिंग की समस्या तथा उपयुक्त मॉडल चयन की तकनीकों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किसी मॉडल की सफलता केवल प्रशिक्षण डेटा पर बेहतर परिणाम देने से नहीं, बल्कि नए और अनदेखे डेटा पर सटीक पूर्वानुमान लगाने की क्षमता से भी निर्धारित होती है। उन्होंने मॉडल की सटीकता, विश्वसनीयता और सामान्यीकरण क्षमता के आकलन में क्रॉस-वैलिडेशन जैसी तकनीकों



के महत्व को समझाया। साथ ही, बताया कि जब कोई मॉडल प्रशिक्षण डेटा को अत्यधिक सीख लेता है और नए डेटा पर अपेक्षित परिणाम नहीं देता, तो इसे ओवरफिटिंग कहते हैं। इस समस्या को कम करने के लिए नियमितीकरण, उपयुक्त डेटा विभाजन और मॉडल की जटिलता नियंत्रित करने जैसी तकनीकों की जानकारी दी गई। व्याख्यान में मॉडल चयन के दौरान डेटा की प्रकृति, समस्या की आवश्यकताओं और मॉडल के प्रदर्शन को ध्यान में रखने पर जोर

रामकथा से पूरा जौनपुर राममय हुआ, प्रभु श्रीराम के आदर्शों को जीवन में उतारने का प्रयास करेंगे – रविंद्र जायसवाल

खड़गे की टिप्पणी पर बोले मंत्री- राम विरोधी रावण और राक्षस के समान

ब्यूरो प्रमुख विश्व प्रकाश श्रीवास्तव जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर में बीआरपी इंटर कॉलेज मैदान में भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं समाजसेवी ज्ञान प्रकाश सिंह के नेतृत्व में आयोजित नौ दिवसीय श्रीरामकथा में शामिल होने पहुंचे स्टॉप एवं पंजीयन शुल्क राज्य मंत्री रविंद्र कुमार जायसवाल ने कहा कि आचार्य शांतनु जी महाराज की कथा से पूरा जौनपुर राममय हो गया है। हम सभी का प्रयास होना चाहिए कि भगवान श्रीराम के बताए मार्गों को अपने जीवन में उतारें। प्रभु श्रीराम ही सबका कल्याण करेंगे। मंत्री ने कहा कि जौनपुर ऐतिहासिक शहर है, जहां श्रीरामकथा का आयोजन किया जा रहा है। आचार्य शांतनु जी महाराज



के मुखारविंद से हो रही कथा लोगों को भगवान श्रीराम के आदर्शों और उनके जीवन मूल्यों से जोड़ रही है। हम सभी को प्रभु श्रीराम के आदर्शों पर चलने का प्रयास करना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जोर रहे चुनाव को लेकर मंत्री ने दावा किया कि पूरे प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी सभी 11 सीटों पर जीत हासिल करेगी।

कुश्ती में जौनपुर की बेटी आस्था आनंद सिंह ने स्टेट चौपियनशिप में जीता स्वर्ण पदक



मानहानि मामले में राहुल गांधी बरी, 16 मिनट में आया फैसला

सुल्तानपुर, (संवाददाता)। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को सुल्तानपुर की विशेष एमपी/एमएलए कोर्ट ने मानहानि के एक मामले में बरी कर दिया है। यह मामला वर्ष 2018 में बेंगलुरु में राहुल गांधी की ओर से दिए गए एक बयान से जुड़ा था। भाजपा नेता विजय मिश्रा ने अगस्त

2018 में राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दर्ज कराया था। राहुल गांधी सोमवार को कोर्ट में पेश हुए। वे करीब 11.16 बजे अदालत पहुंचे और लगभग 11.32 बजे फैसला सुनाया गया। करीब 16 मिनट की सुनवाई के बाद कोर्ट ने उन्हें दोषमुक्त कर दिया। राहुल गांधी करीब 11.35 बजे अदालत से बाहर

निकल गए। कोर्ट ने मानी तीन अहम बातें— राहुल गांधी की ओर से पेरवी कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता आरएस चौमा और काशी शुक्ला ने अदालत में दलीलें पेश कीं। उनके मुताबिक, कोर्ट ने राहुल गांधी को बरी करने में पीछे तीन प्रमुख बातों को आधार माना। पहली वजह—राहुल गांधी की ओर से कोर्ट में पेश की गई।

जौनपुर में 31 अक्टूबर को लगेगा वृहद परिवहन मेला, मौके पर होगा समस्याओं का निस्तारण

ब्यूरो प्रमुख विश्व प्रकाश श्रीवास्तव जौनपुर। वाहन स्वामियों, चालकों और आम नागरिकों की परिवहन संबंधी समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए 31 अक्टूबर को जौनपुर के सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (एआरटीओ) कार्यालय परिसर में एक दिवसीय वृहद परिवहन मेले का आयोजन किया जाएगा। मेले में ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन पंजीकरण, फिटनेस, बकाया कर और अन्य विभागीय समस्याओं के समाधान के लिए विशेष काउंटर बनाए जाएंगे। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) के अनुसार, परिवहन मेले का आयोजन शनिवार को सुबह 10 बजे से शाम पांच बजे तक होगा। इसका उद्देश्य परिवहन विभाग की सेवाओं को पारदर्शी और सुलभ बनाने के साथ ही लंबित मामलों का मौके पर निस्तारण करना है। मेले में लर्निंग एवं स्थायी ड्राइविंग लाइसेंस,



लाइसेंस नवीनीकरण, पता परिवर्तन और अन्य संशोधनों से संबंधित समस्याओं का समाधान किया जाएगा। इसके अलावा वाहन के स्वामित्व हस्तांतरण, अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी), वाहन पर ऋण संबंधी हाइपोथिकेशन दर्ज कराने या हटाने,

पूर्व सांसद केपी सिंह समेत पांच नेताओं को भाजपा प्रदेश कार्यसमिति में जगह



ब्यूरो प्रमुख विश्व प्रकाश श्रीवास्तव जौनपुर। यूपी के जौनपुर में भारतीय जनता पार्टी के उत्तर प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने सोमवार देर रात प्रदेश कार्यसमिति के सदस्यों की सूची जारी की। इसमें जौनपुर के पूर्व सांसद डॉ. कृष्ण प्रताप सिंह (केपी सिंह) समेत जिले के पांच नेताओं को जगह मिली है। पूर्व जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह, सुशील कुमार उपाध्याय, मछलीशहर की पूर्व भाजपा प्रत्याशी अनिता रावत और ब्रह्मदेव मिश्रा को भी प्रदेश कार्यसमिति का सदस्य बनाया गया है। जिले के नेताओं को प्रदेश संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलने पर भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह है। नेताओं ने नई जिम्मेदारी के लिए पार्टी नेतृत्व का आभार जताते हुए संगठन को मजबूत करने और आगामी चुनावों में पार्टी की जीत सुनिश्चित करने का संकल्प लिया। भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने कहा कि उनका प्रमुख उद्देश्य पंडित दीनदयाल उपाध्याय और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विचारों के अनुरूप संगठन को आगे बढ़ाना और सभी कार्यकर्ताओं को एक सूत्र में बांधना है। पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने के साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सपनों को साकार

करने के लिए काम करेंगे। उन्होंने आगामी विधानसभा चुनाव में जौनपुर की सभी नौ विधानसभा सीटों पर भाजपा की जीत के लिए प्रयास करने की बात कही। पूर्व जिलाध्यक्ष सुशील कुमार उपाध्याय ने कहा कि संगठन को मजबूत बनाना, सभी जाति और धर्म के लोगों को साथ लेकर चलना तथा सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचाना उनकी प्राथमिकता होगी। पार्टी ने जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसका निर्वहन पूरी निष्ठा से करेंगे। उन्होंने

विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा आगे बढ़ेगी और आगामी चुनाव में पार्टी की सरकार बनेगी। वहीं, पूर्व प्रत्याशी अनिता रावत ने प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के प्रति आभार जताते हुए कहा कि जौनपुर के कई नेताओं को प्रदेश कार्यसमिति में शामिल किया जाना जिले के लिए गर्व की बात है। उन्होंने पार्टी की ओर से समय-समय पर दी गई जिम्मेदारियों का उल्लेख करते हुए संगठन को मजबूत करने के लिए काम करने की प्रतिबद्धता जताई।

भगवान को पाने के लिए सच्ची भक्ति और प्रतीक्षा जरूरी - आचार्य शांतनु महाराज



आवश्यक है। माता शबरी और अहिल्या के प्रसंगों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि दोनों ने अपने जीवन में प्रभु के प्रति अटूट विश्वास और समर्पण बनाए रखा। उनकी भक्ति से प्रसन्न होकर भगवान श्रीराम ने स्वयं उन्हें दर्शन दिए। प्रत्येक भक्त को भी अपने जीवन में ऐसी ही श्रद्धा, निष्ठा और समर्पण की भावना रखनी चाहिए। गुरु के बिना जीवन अधूरा

गुरु की महिमा का वर्णन करते हुए कथा व्यास ने कहा कि गुरु मनुष्य को सही मार्ग दिखाते हैं और उसके जीवन को सार्थक बनाते हैं। गुरु के मार्गदर्शन के बिना आध्यात्मिक ज्ञान की प्राप्ति कठिन है। उन्होंने गोस्वामी तुलसीदास रचित रामचरितमानस के प्रसंगों के माध्यम से गुरु के महत्व को समझाया। चित्रकूट की लीलाओं और राजा दशरथ के महाप्रयाण का भावपूर्ण वर्णन किया। इसके साथ ही माता सीता के त्याग और लव-कुश से जुड़ी कथाओं के माध्यम से श्रद्धालुओं को मर्यादा, त्याग और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। सच्ची भक्ति से प्रसन्न होते हैं भगवान आचार्य शांतनु महाराज ने कहा कि भगवान को पाने के लिए सच्ची भक्ति, धैर्य और प्रतीक्षा

बारह लाख दीपक तैयार,एक रुपए भी नहीं मिल रहा दाम



(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर) अयोध्या। दीपोत्सव से उम्मीदें लगाए बैठे सोहावल क्षेत्र के कुम्हारों की मेहनत पर संकट के बादल छा गए हैं।विकास खंड सोहावल की ग्राम पंचायत देवई के मजरे कुम्हारन का पुरवा में करीब दो दर्जन से अि एक परिवारों ने 10 से 12 लाख मिट्टी के दीपक तैयार किए हैं,लेकिन खरीदार नदारद हैं।दीपकों की बिक्री नहीं होने से इन परिवारों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। हालात यह हैं कि बिचौलिए 80 से 90 पैसे प्रति दीपक की दर से खरीदने की बात कर रहे हैं,जबकि पहले एक दीपक सवा रुपये तक में बिकता था।ग्रामीणों के मुताबिक, वर्ष 2017 में अयोध्या में दीपोत्सव की शुरुआत के बाद इस गांव के कुम्हार परिवारों

को मिट्टी के दीपक की मांग बढ़ने से रोजगार की नई उम्मीद मिली थी।प्रशासन की पहल और प्रोत्साहन की मेहनत पर संकट के बादल छा गए हैं।विकास खंड सोहावल की ग्राम पंचायत देवई के मजरे कुम्हारन का पुरवा में करीब दो दर्जन से अि एक परिवारों ने 10 से 12 लाख मिट्टी के दीपक तैयार किए हैं,लेकिन खरीदार नदारद हैं।दीपकों की बिक्री नहीं होने से इन परिवारों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। हालात यह हैं कि बिचौलिए 80 से 90 पैसे प्रति दीपक की दर से खरीदने की बात कर रहे हैं,जबकि पहले एक दीपक सवा रुपये तक में बिकता था।ग्रामीणों के मुताबिक, वर्ष 2017 में अयोध्या में दीपोत्सव की शुरुआत के बाद इस गांव के कुम्हार परिवारों

महिलाएं व बेटियां अपने अधिकारों के प्रति बने जागरूक - आशा शुक्ला

राजा मोहन गर्ल्स पीजी कलेज में आयोजित हुआ कार्यक्रम

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर) अयोध्या।महिलाओं और बेटियों को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक व सुरक्षित तथा आत्मनिर्भर बनना होगा। उन्होंने हर क्षेत्र में अपनी भागीदारी दिखानी होगी।यह बातें महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला ने मिशन शक्ति फेज-6.0 के तहत राजा मोहन गर्ल्स पीजी कॉलेज में जागरूकता कार्यक्रम

कही।विश्व हिंदू परिषद की मातृशक्ति-दुर्गावाहिनी के कार्यक्रम के दौरान उन्होंने छात्राओं और महिलाओं को महिला सुरक्षा, सरकारी कल्याणकारी योजनाओं और महिला अपराधों से बचाव के प्रति जागरूक किया।कहा कि महिलाएं अपने अधिकारों को पहचानें और किसी भी प्रकार के उत्पीड़न या अपराध के

चक्रवाती तूफान एवं खराब मौसम के दृष्टिगत डीएम शशांक त्रिपाठी ने लोगों से सतर्क रहने की अपील

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर) अयोध्या।चक्रवाती तूफान ‘अर्नब’ के संभावित प्रभाव को देखते हुए दिनांक 28 अक्टूबर 2026 से 31 अक्टूबर 2026 तक प्रदेश में बेमौसम वर्षा, तेज हवाओं एवं गरज-चमक की संभावना के दृष्टिगत, जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, अयोध्या द्वारा जनपदवासियों से विशेष सतर्कता बरतने की अपील की गई है।जिला प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि संभावित प्राकृतिक आपदा से बचाव के लिए आवश्यक सावधानियां अपनाएं। विशेष रूप से किसान, पशुपालक एवं कच्चे मकानों में निवास करने वाले परिवार अतिरिक्त सतर्कता बरतें।जनहानि से बचाव हेतु आवश्यक सावधानियां, आकाशीय बिजली चमकने एवं गरज-चमक के दौरान खुले मैदानों, खेतों, तालाबों तथा जलस्रोतों से दूर रहें। तेज हवाओं एवं वर्षा के दौरान सुरक्षित पक्के भवनों में शरण लें। पेड़ों, बिजली के खंभों एवं कमजोर संरचनाओं के नीचे खड़े न हों।मौसम खराब होने पर अनावश्यक रूप से घर से बाहर न निकलें तथा बच्चों एवं बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखें।जर्जर भवनों एवं कच्ची दीवारों से दूरी बनाए रखें।पशुहानि से बचाव हेतु सावधानियां पशुओं को खुले मैदानों में

हैं।जबकि पहले सवा रुपए में बिक्री हुई थी।अब एक रुपए भी कोई दाम नहीं दे रहा है।इसी तरह जुगरा और रागिनी ने 70-70 हजार, गुड्डन ने डेढ़ लाख, जबकि भदई और धर्मेंद्र ने करीब एक-एक लाख दीपक तैयार किए हैं।इन परिवारों का कहना है कि पहले अधिकारी और ठेकेदार गांव पहुंचकर दीपक खरीदकर ले जाते थे, लेकिन इस बार बिक्री को लेकर कोई खास पहल दिखाई नहीं दे रही है।ग्रामीणों का कहना है कि दीपक बनाने में मिट्टी के साथ गोबर के उपले और अन्य सामग्री का इस्तेमाल होता है। उत्पादन के लिए काफी मेहनत और पूंजी लगतीहै।कई परिवारों ने कर्ज लेकर दीपक तैयार किए हैं। बिक्री नहीं होने से उनकी पूंजी फंस गई है और कर्ज चुकाने की चिंता सताने लगी है।वर्षा पुराने महिला स्वयं सहायता समूह से भी दीपक निर्माण में अपेक्षित सहायता नहीं मिल रही है।ग्रामीणों को आशंका है कि यदि समय रहते दीपकों की खरीद नहीं हुई तो उनकी मेहनत बेकार हो जाएगी और परिवारों के सामने रोजी-रोटी का संकट गहरा सकता है।कुम्हार परिवारों ने दीपकों की खरीद सुनिश्चित कराने और उचित मूल्य दिलाने के लिए संबंधित अधिकारियों से पहल करने की उम्मीद जताई है।

महिलाएं व बेटियां अपने अधिकारों के प्रति बने जागरूक - आशा शुक्ला

राजा मोहन गर्ल्स पीजी कलेज में आयोजित हुआ कार्यक्रम

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर) अयोध्या।महिलाओं और बेटियों को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक व सुरक्षित तथा आत्मनिर्भर बनना होगा। उन्होंने हर क्षेत्र में अपनी भागीदारी दिखानी होगी।यह बातें महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला ने मिशन शक्ति फेज-6.0 के तहत राजा मोहन गर्ल्स पीजी कॉलेज में जागरूकता कार्यक्रम

कही।विश्व हिंदू परिषद की मातृशक्ति-दुर्गावाहिनी के कार्यक्रम के दौरान उन्होंने छात्राओं और महिलाओं को महिला सुरक्षा, सरकारी कल्याणकारी योजनाओं और महिला अपराधों से बचाव के प्रति जागरूक किया।कहा कि महिलाएं अपने अधिकारों को पहचानें और किसी भी प्रकार के उत्पीड़न या अपराध के

न रखें। उन्हें सुरक्षित एवं मजबूत पशुशालाओं में रखें पशुशालाओं में पशुओं के लिए पर्याप्त चारे एवं पीने के पानी की व्यवस्था सुनिश्चित करें।आकाशीय बिजली एवं तेज वस्तुओं, टीनशेड एवं अन्य हल्की सामग्री को सुरक्षित कर लें।तेज हवाओं के दौरान कमजोर दीवारों, पुराने पेड़ों एवं बिजली के खंभों से दूरी बनाए रखें। मकान में दरार, छत गिरने अथवा अन्य खतरों के संकेत दिखाई देने पर तत्काल सुरक्षित स्थान पर चले जाएं।जिलाधिकारी द्वारा जनपदवासियों से अपील की गई है कि मौसम संबंधी चेतावनियों एवं प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें। किसी भी आपात स्थिति में घबराएं नहीं तथा तत्काल जिला आपदा निरींत्रण कक्ष को सूचित करें। जनहानि, पशुहानि, फसल क्षति एवं मकान क्षति की स्थिति में संबंधित राजस्व कर्मियों तथा जनपद के आपदा कंट्रोल रूम के नंबर 05278-222798 (टोल फ्री नंबर 1077) पर सूचना दें, ताकि शिमानुसार आवश्यक कार्यवाई एवं क्षति का आकलन किया जा सके। साथ ही, मौसम संबंधी नवीनतम जानकारी के लिए भारत मौसम रखते हुए कृषि कार्य करें तथा तेज हवाओं एवं वर्षा के दौरान खेतों में जाने से बचें। मकान क्षति से बचाव हेतु सावधानियां, कच्चे, जर्जर एवं कमजोर मकानों में रहने वाले परिवार मौसम खराब होने पर सुरक्षित पक्के भवनों अथवा प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराए गए सुरक्षित आश्रय स्थलों पर चले जाएं। घर की छत पर रखी ढीली

बीकापुर विधायक डॉ अमित सिंह चौहान ने रतनपुर रामलीला मंचन का किया भव्य शुभारंभ

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।बीकापुर तहसील के रतनपुर गांव में श्री रामलीला मंचन के चौथे दिवस बीकापुर विधायक डॉ अमित सिंह चौहान ने फीता काट कर भव्य शुभारंभ किया।इस अवसर पर बीकापुर विधायक डॉ अमित सिंह चौहान का भव्य स्वागत रतनपुर गांव के लोग व रामलीला रतनपुर के मीडिया प्रभारी अमित यादव ने मुख्य अतिथि बीकापुर विधायक डॉ अमित सिंह चौहान को राम जी की प्रतिमा देकर रतनपुर रामलीला कमेटी के सभी पदाधिकारियों की तरफ से भव्य स्वागत किया।इस अवसर पर रामलीला कमेटी के व्यवस्थापक चंचल शर्मा ने मुख्य अतिथि को रामनामी ओढ़ाकर सम्मानित किया।रामलीला कमेटी के संरक्षक आशीष यादव लालू ने कमेटी के सभी पदाधिकारियों की तरफ से बीकापुर विधायक का भव्य स्वागत किया।इस अवसर पर बीकापुर विधायक डॉ अमित सिंह चौहान के साथ भाजपा नेता नन्द कुमार सिंह राजा सिंह चौहान रमेश सिंह नानमून प्रवीण सिंह चौहान आदि का भी रतनपुर रामलीला कमेटी के पदाििकारियों द्वारा किया गया।बीकापुर

460 समर्थकों संग अयोध्या पहुंचे सांसद रविंद्र वायकर, रामलला के दरबार में टेका माथा

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।महाराष्ट्र के मुंबई उत्तर-पश्चिम लोकसभा क्षेत्र के सांसद रविंद्र वायकर अपने करीब 400 समर्थकों के साथ रामनगरी अयोध्या पहुंचे।यहां उन्होंने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में रामलला के दर्शन-पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।सांसद के साथ आए समर्थकों ने भी रामलला के दरबार में माथा टेककर सुख-समृद्धि की कामना की अयोध्या पहुंचने पर सीताराम पांडेय उर्फ बबलू महाराज ने सांसद रविंद्र वायकर का स्वागत करते हुए उन्हें श्रीराम मंदिर का चित्र एवं पत्रिका भेंट की।इस दौरान धार्मिक एवं आध्यात्मिक वातावरण देखने को मिला सांसद रविंद्र वायकर ने रामलला के दर्शन के बाद हनुमानगढ़ी पहुंचकर

नुककड़ नाटक से दिया आस्था के साथ स्वच्छ सरयू का संदेश

31 को सरयू घाट पर जुटेंगे पांच हजार लोग, होगा मेगा वलीन अप ड्राइव

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। रामनगरी की सांस्कृतिक गरिमा, मंदिरों की पवित्रता और मां सरयू की निर्मलता बनाए रखने के लिए चिंतन संस्था जनजागरूकता अभियान चला रही है। दीपोत्सव-2026 से पूर्व आयोजित ‘साफ सरयू सप्ताह’ के तहत बुधवार को नुककड़ नाटक के माध्यम से लोगों को स्वच्छता का संदेश दिया गया।कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से यह समझाने का प्रयास किया कि अयोध्या की आध्यात्मिक पहचान को अक्षुण्ण रखने के लिए आस्था के साथ स्वच्छता को भी जीवन का हिस्सा बनाना होगा।तुलसी घाट, मां सरयू आरती स्थल, लता मंगेशकर चौक और श्रीराम मंदिर क्षेत्र में आयोजित कार्यक्रमों के दौरान स्थानीय नागरिकों, श्रद्धालुओं और पर्यटकों को कचरा प्रबंधन तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। नुककड़ नाटक के जरिए लोगों से अपील की गई कि पूजा सामग्री, प्लास्टिक और अन्य अपशिष्ट नदी अथवा घाटों पर न फेंकें। कचरे का निस्तारण, निर्धारित स्थानों पर ही करें, ताकि सरयू की निर्मल धारा और घाटों की स्वच्छता बनी रहे।महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी और नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार के



विधायक ने कहा कि रतनपुर की इस रामलीला का बहुत अच्छा मंचन करीब 31 वर्षों से रतनपुर गांव के कलाकारों द्वारा किया जा रहा है जिसकी सराहना जितनी की जाए वह कम है कहा कि यह हम लोगों का परम सौभाग्य है कि अयोध्या का चंचल शर्मा ने मुख्य अतिथि को रामनामी ओढ़ाकर सम्मानित किया।रामलीला कमेटी के संरक्षक आशीष यादव लालू ने कमेटी के सभी पदाधिकारियों की सराहना किया और उन लोगों का स्वागत करने के लिए आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से संस्थापक राम उजरे, पाण्डेय, रामलीला कमेटी अध्यक्ष राजेश यादव, कोषाध्यक्ष राम किशन यादव, उपाध्यक्ष प्रदीप कुमार शर्मा बबलू, उप कोषाध्यक्ष विनोद यादव कार्यवाहक अध्यक्ष दशरथ लाल यादव परामर्श मंत्री बाल्मीकि शर्मा, प्रबंधक आशुतोष



बजरंगबली के दर्शन किए।अयोध्या में दर्शन-पूजन के उपरंतु उनके वाराणसी पहुंचकर बाबा विश्वनाथ के दर्शन तथा मां गंगा की आरती में शामिल हुए अयोध्या से वाराणसी तक दर्शन-पूजन उहरने के लिए आदि सारी सुगम

व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी सीताराम पांडेय उर्फ बबलू महाराज ने संभाली कार्यक्रम संपन्न होने के बाद सांसद रविंद्र वायकर ने व्यवस्था एवं सहयोग के लिए महाराज जी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

नुककड़ नाटक से दिया आस्था के साथ स्वच्छ सरयू का संदेश

31 को सरयू घाट पर जुटेंगे पांच हजार लोग, होगा मेगा वलीन अप ड्राइव

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। रामनगरी की सांस्कृतिक गरिमा, मंदिरों की पवित्रता और मां सरयू की निर्मलता बनाए रखने के लिए चिंतन संस्था जनजागरूकता अभियान चला रही है। दीपोत्सव-2026 से पूर्व आयोजित ‘साफ सरयू सप्ताह’ के तहत बुधवार को नुककड़ नाटक के माध्यम से लोगों को स्वच्छता का संदेश दिया गया।कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से यह समझाने का प्रयास किया कि अयोध्या की आध्यात्मिक पहचान को अक्षुण्ण रखने के लिए आस्था के साथ स्वच्छता को भी जीवन का हिस्सा बनाना होगा।तुलसी घाट, मां सरयू आरती स्थल, लता मंगेशकर चौक और श्रीराम मंदिर क्षेत्र में आयोजित कार्यक्रमों के दौरान स्थानीय नागरिकों, श्रद्धालुओं और पर्यटकों को कचरा प्रबंधन तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। नुककड़ नाटक के जरिए लोगों से अपील की गई कि पूजा सामग्री, प्लास्टिक और अन्य अपशिष्ट नदी अथवा घाटों पर न फेंकें। कचरे का निस्तारण, निर्धारित स्थानों पर ही करें, ताकि सरयू की निर्मल धारा और घाटों की स्वच्छता बनी रहे।महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी और नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार के

अयोध्या में 31 अक्टूबर को लगेगा परिवहन मेला,सुबह 10 से शाम 5 बजे तक मिलेगी सुविधा

अयोध्या।समागीय परिवहन अधिकारी कार्यालय अयोध्या में 31 अक्टूबर 2026 को परिवहन मेले का आयोजन किया जाएगा।पहले यह मेला 23 अक्टूबर को आयोजित होना था,लेकिन अपरिहार्य कारणों से इसे निरस्त कर दिया गया था।इस संबंध मे एआरटीओ डाक्टर आर पी सिंह द्वारा अपील की गई है कि परिवहन संबंधी कार्यों के लिए इच्छुक लोग 31 अक्टूबर को सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित मेले में पहुंचकर सुविधाओं का लाभ उठाएं।

7 नवंबर को होने वाले दसवें दीपोत्सव को लेकर नगर निगम ने किया सफाई अभियान तेज

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।7 नवंबर को होने वाले दसवें दीपोत्सव को लेकर नगर निगम ने सफाई अभियान तेज कर दिया है।पूरे महानगर क्षेत्र को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए नगर निगम की टीमें लगातार अभियान चला रही हैं। महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी और नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार ने टीम के साथ सफाई महाअभियान चलाया। प्रमुख मार्गों, पौराणिक स्थलों और अधिक आवागमन वाले क्षेत्रों में नियमित सफाई की जा रही है। नगर निगम की टीमें जगह-जगह लिटर पिकिंग अभियान चलाकर कूड़ा एकत्र कर रही हैं। 31 अक्टूबर को मां सरयू के सभी घाटों पर वृहद महास्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। संचारी रोग अभियान के समापन के साथ ही सरयू घाटों की विशेष सफाई का अभियान शुरू होगा।स्वच्छता अभियान का पहला चरण 31 अक्टूबर तक और दूसरा चरण 1 नवंबर से 6 नवंबर तक चलेगा। महापौर ने कहा कि दीपोत्सव अयोध्या की सांस्कृतिक विरासत, दिव्यता और भव्यता को दुनिया के सामने प्रस्तुत करने का अवसर है। नगर निगम ने सभी नागरिकों से स्वच्छता अभियान में सहयोग करने और मां सरयू के घाटों सहित पूरे शहर को साफ-सुथरा रखने की अपील की है।

नगर निगम ने की 11 कर बकायेदारों के प्रतिष्ठानों पर कुर्की की कार्रवाई

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।बकाया गृह एवं जलकर की वसूली के लिए नगर निगम ने अयोध्या धाम और अयोध्या कैंट क्षेत्र में 11 कर बकायेदारों के भवनों एवं प्रतिष्ठानों के विरुद्ध कुर्की संबंधी कार्रवाई की।इन बकायेदारों पर कुल 74 लाख 48 हजार 336 रुपये का कर बकाया था। कार्रवाई के दौरान 14 लाख 54 हजार रु939 रुपये की धनराशि जमा कराई गई। मुख्य कर निर्धारण अधिकारी गजेंद्र कुमार ने बताया कि कार्रवाई की जद में होटल समेत विभिन्न व्यावसायिक प्रतिष्ठान और भवन रहे।बकाया कर की वसूली के लिए संबंधित भवन स्वामियों एवं प्रतिष्ठान संचालकों के विरुद्ध नियमानुसार प्रक्रिया अपनाई गई।एक प्रकरण में संबंधित पार्षद ने तीन दिन के भीतर बकाया कर जमा कराने का आश्वासन दिया।वहीं, एक बकाएदार की दुकान बंद मिली, जिन्हें कार्रवाई के दौरान चिन्हित किया गया।कुर्की संबंधी कार्रवाई के दौरान मुख्य कर निर्धारण अधिकारी,कर निर्धारण अधिकारी, जोनल अधिकारी और संबंधित राजस्व निरीक्षक मौजूद रहे।अपर नगर आयुक्त सुमित कुमार ने बकायेदारों से अपेक्षा की है कि निर्धारित कर एवं अन्य देय धनराशि समय से जमा कर दें। उन्होंने स्पष्ट किया कि कर बकाया भवन स्वामियों और प्रतिष्ठान संचालकों के विरुद्ध नियमानुसार वसूली की कार्रवाई जारी रहेगी।

थानाध्यक्ष जीआरपी अयोध्या कैंट ने छात्राओं व शिक्षिकाओं को किया जागरूक

अयोध्या।थानाध्यक्ष जीआरपी अयोध्या कैंट अभिषेक मिश्र ने हे0का0 जितेन्द्र कुमार,का0 मंजीत सिंह व म0का0 प्रतिभा कुशवाहा के साथ थाना ग्रामर इंटर कॉलेज लालबाग फतेहगंज पर जाकर छात्रों व शिक्षकों को सुरक्षा के प्रति जागरूक किया।इस मौके पर उन्होंने वहां पर उपस्थित छात्राओं व शिक्षिकाओं को सुरक्षा,नारी सम्मान, नारी स्वावलंबन के लिए महिलाओं एवं बालिकाओं में जागरूकता हेतु छात्राओं को मिशन शक्ति, नारी सुरक्षा, व साइबर क्राइम सम्बंधी अपराध व यात्रा के दौरान महिलाओं एवं बालिकाओं द्वारा बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में बताया।वही उ0प्र0 शासन द्वारा जारी विभिन्न हेल्पलाइन नंबर 112 पुलिस आपातकालीन सेवा नंबर, 1090 वूमन पावर हेल्पलाइन नंबर, 181 महिला हेल्पलाइन नंबर, 1090 वीमेन पावर लाइन नंबर, 1098, चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर के संबंे में विस्तार से समझाया।



सान्ध्य हिन्दी दैनिक	देश की उपासना
स्वात्वाधिकारी में, प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।	
सम्पादक	
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव	
मो0 – 7007415808, 9415034002	
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com	
समाचार-पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।	